



चम्पारण ज्ञानाग्रह



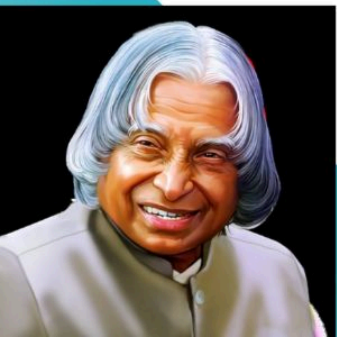
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक- 10 अक्टूबर 2026, अंक -376.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"जहाँ धर्म है, वहाँ विजय है।"



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org





Saturday Prayer

Saturday Prayer

बिहार राज रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे,
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे।

वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की,
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे।

मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक,
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे।

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ,
हौसला ऐसा हँ दे गंग जमन नाज करे।

आधे रस्ते पे न रुक जाये मुसाफिर के कदम,
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे।

दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार,
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे।

जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय
बिहार...!

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू ही अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारङ्ग प्रतिमा गङ्गि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे॥

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14-18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19-22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23-24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25-28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29-30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) - मौलिक कर्तव्य:

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

- (1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
- (2.) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
- (3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
- (4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
- (5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
- (6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
- (7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
- (8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
- (9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
- (10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
- (11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।



सामान्य-ज्ञान



प्रश्न 1. नेपाल की राजधानी क्या है?

उत्तर: काठमांडू

प्रश्न 2. भारत का सर्वोच्च वीरता पुरस्कार परमवीर चक्र सबसे पहले किसे प्रदान किया गया था?

उत्तर: मेजर सोमनाथ शर्मा।

प्रश्न 3. 'थांग-ता' किस राज्य की पारंपरिक युद्ध-कला है?

उत्तर: मणिपुर

प्रश्न 4. एक त्रिभुज की तीन भुजाएँ 5 सेमी, 5 सेमी और 6 सेमी हैं। उसका परिमाप कितना होगा?

उत्तर: 16 सेमी

प्रश्न 5. बिहार के सहरसा जिले के महिषी गाँव में स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ का नाम क्या है?

उत्तर: उग्रतारा स्थान

प्रश्न 6. किस स्तनधारी जीव के शरीर पर काँटे होते हैं और वह खतरे में अपने शरीर को गोल कर लेता है?

उत्तर: साही

प्रश्न 7. ध्वनि को विद्युत संकेतों में बदलने वाले माइक्रोफोन के विकास में किस वैज्ञानिक का महत्वपूर्ण योगदान था?

उत्तर: एलेक्जेंडर ग्राहम बेल

प्रश्न 8. भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में कितनी भाषाएँ शामिल हैं?

उत्तर: 22 भाषाएँ।

प्रश्न 9. 'आनंद' का एक पर्यायवाची शब्द बताइए।

उत्तर: हर्ष

प्रश्न 10. यदि किसी कमरे में धुआँ भर जाए, तो बाहर निकलते समय किस दिशा में झुककर चलना अधिक सुरक्षित होता है?

उत्तर: नीचे झुककर

शब्द - संगम

- 1 Investment - इन्वेस्टमेंट - निवेश
- 2 Profit - प्रॉफिट - लाभ / मुनाफ़ा
- 3 Loss - लॉस - हानि / नुकसान
- 4 Revenue - रेवेन्यू - राजस्व
- 5 Expenditure - एक्सपेंडिचर - व्यय / खर्च
- 6 Savings - सेविंग्स - बचत
- 7 Debt - डेट - ऋण / कर्ज़

English गप-शप

आज का Structure: "Who are you going to + V1?"

(तुम किससे ... करने वाले हो? / तुम ... किसको करने वाले हो?)

तुम किससे मिलने वाले हो? - Who are you going to meet?

तुम किसको पत्र भेजने वाले हो? - Who are you going to send a letter to?

तुम किसको अपनी किताब देने वाले हो? - Who are you going to give your book to?

तुम किससे अंग्रेज़ी सीखने वाले हो? - Who are you going to learn English from?

तुम किसको अपने जन्मदिन पर बुलाने वाले हो? - Who are you going to invite to your birthday?

संकलन:-



पिन्दू कुमार

विद्यालय अध्यापक

UHS रामपुर, बगहा-2



संकलन:-

सौरभ कुमार

विद्यालय अध्यापक

Govt. UMS गोइती

बगहा-2, प. चम्पारण



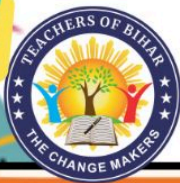
संकलन:-

अभिनव राज

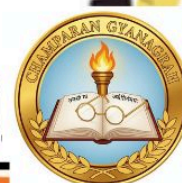
प्रधान शिक्षक

रा० प्रा० वि० शेखधुरवा

चनपटिया, प. चम्पारण।



"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)



प्र.1. प्रतिवर्ष 10 अक्टूबर को मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाने और मानसिक संबल को सुदृढ़ करने हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के सहयोग से कौन-सा दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस (World Mental Health Day)

व्याख्या: प्रतिवर्ष 10 अक्टूबर को 'विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस' (World Mental Health Day) मनाया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 1992 में 'वर्ल्ड फेडरेशन फॉर मेंटल हेल्थ' (WFMH) द्वारा की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य अवसाद, तनाव, चिंता और मानसिक विकारों के शिकार लोगों के अधिकारों की रक्षा करना तथा मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सभी के लिए सुलभ बनाना है। भारत में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (NMHP) और 'टेली-मानस' (Tele-MANAS) हेल्पलाइन के माध्यम से चौबीसों घंटे निःशुल्क परामर्श और चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

संदर्भ: World Health Organization (WHO) Mental Health Programme; Ministry of Health and Family Welfare (MoHFW) India Tele-MANAS Portal;

प्र.2. चिकित्सा/क्रियाविज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार 2026 प्रकाश-संवेदी प्रोटीनों और 'ऑप्टोजेनेटिक्स' (Optogenetics) के विकास हेतु किन तीन वैज्ञानिकों को संयुक्त रूप से प्रदान करने की घोषणा की गई? (समसामयिक घटना)

उत्तर: कार्ल डाइसरोथ, पीटर हेगेमैन और जॉर्ज नागेल

व्याख्या: अक्टूबर 2026 में कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट (स्वीडन) की नोबेल असेंबली द्वारा 'क्रियाविज्ञान या चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार 2026' अमेरिकी वैज्ञानिक कार्ल डाइसरोथ (स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी) तथा जर्मन वैज्ञानिक पीटर हेगेमैन व जॉर्ज नागेल को संयुक्त रूप से देने की घोषणा की गई। इन वैज्ञानिकों ने एककोशिकीय शैवाल में प्रकाश-संवेदी आयन चैनल 'चैनलरोडोप्सिन' की खोज की और उसे मस्तिष्क के न्यूरोन्स में प्रकाश-नियंत्रित स्विच के रूप में प्रयुक्त करने की क्रांतिकारी तकनीक 'ऑप्टोजेनेटिक्स' (Optogenetics) विकसित की। इस तकनीक से वैज्ञानिक प्रकाश की किरणों द्वारा जीवित मस्तिष्क की व्यक्तिगत तंत्रिका कोशिकाओं को सक्रिय या निष्क्रिय कर सकते हैं, जिससे पार्किंसंस, अवसाद, मिर्गी और अंधापन के उपचार में अभूतपूर्व सफलता मिली है।

संदर्भ: The Nobel Assembly at Karolinska Institute Press Release October 2026;

प्र.3. मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध उपन्यास है, जिसमें ग्रामीण कृषक समाज के महाजनी शोषण, ऋण-जाल, धर्म के पाखंड और 'होरी महतो' की एक गाय पाने की अधूरी लालसा का महाकाव्यात्मक चित्रण है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: गोदान (1936)

व्याख्या: 'गोदान' (1936) मुंशी प्रेमचंद का अंतिम पूर्ण और आधुनिक हिंदी साहित्य का सर्वोच्च यथार्थवादी महाकाव्यात्मक उपन्यास है। इसकी कथा अवध के 'बेलारी' और 'सेमरी' गाँव की पृष्ठभूमि पर आधारित है। मुख्य पात्र 'होरी' और उसकी पत्नी 'धनिया' के जीवन संघर्ष के माध्यम से औपनिवेशिक भारत के सामंती समाज, पटवारी, महाजन, पुलिस और पंडे-पुजारियों द्वारा किए जाने वाले बहुस्तरीय कृषक शोषण का दहला देने वाला यथार्थ प्रस्तुत किया गया है। होरी की मृत्यु पर पुरोहित द्वारा उसकी पत्नी से 'गौ-दान' की मांग भारतीय समाज की संवेदनहीनता पर करारी चोट करती है।

संदर्भ: मुंशी प्रेमचंद — 'गोदान', सरस्वती प्रेस/राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 12 (अंतरा भाग-2 साहित्य संदर्भ);

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में पादपों और जंतुओं के भौगोलिक वितरण को निर्धारित करने वाले तापमान सहनशीलता के आधार पर अत्यधिक व्यापक तापमान परास (Range) को सहन करने में सक्षम जीवों को क्या कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: पृथुतापी (यूरीथर्मल / Eurythermal)

व्याख्या: पारिस्थितिकी में जीवों को तापमान सहने की क्षमता के आधार पर दो वर्गों में बांटा जाता है: (1) 'पृथुतापी' (Eurythermal) — वे जीव जो तापमान के व्यापक परास (Wide Range) को सहन कर सकते हैं और विभिन्न भौगोलिक जलवायु में जीवित रह सकते हैं, जैसे मनुष्य, स्तनधारी, अधिकांश पक्षी और कुत्ते; (2) 'तनुतापी' (Stenothermal) — वे जीव जो तापमान के केवल एक अत्यंत संकीर्ण (सीमित) परास में ही जीवित रह सकते हैं, जैसे ध्रुवीय भालू, प्रवाल (मृंगा), टूना मछली और अधिकांश उभयचर। ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण तापमान में होने वाली सूक्ष्म वृद्धि से तनुतापी जीवों के अस्तित्व पर सबसे पहले संकट उत्पन्न होता है।

संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 13 "जीव और समष्टियाँ" (Organisms and Populations) p. 238-241;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान दिल्ली के अंतिम मुगल सम्राट बहादुर शाह ज़फ़र के वास्तविक सैन्य कमांडर (बख्त खान) ने विद्रोही सेना का नेतृत्व संभालने से पूर्व किस छावनी से दिल्ली कूच किया था? (इतिहास)

उत्तर: बरेली छावनी (रुहेलखंड)

व्याख्या: जनरल बख्त खान (1797-1859) 1857 के राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम के सैन्य मोर्चे के सर्वोच्च रणनीतिकार और अनुशासित सेनानायक थे। वे ईस्ट इंडिया कंपनी की तोपखाना सेना में सूबेदार थे। मई 1857 में बरेली छावनी में विद्रोह का सफल नेतृत्व करने के बाद वे अपनी विशाल घुड़सवार, पैदल और तोपखाना सेना तथा खजाने के साथ दिल्ली पहुंचे। वृद्ध मुगल सम्राट बहादुर शाह ज़फ़र ने उन्हें विद्रोही सेना का प्रधान सेनापति (कमांडर-इन-चीफ) नियुक्त किया और 'फ़रज़ंद-ए-खास बहादुर' की उपाधि दी। बख्त खान ने दिल्ली में एक 10-सदस्यीय प्रशासनिक परिषद (कोर्ट ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन) का गठन कर दिल्ली की रक्षा और नागरिक प्रशासन को अनुशासित रूप से संभाला था।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद"

प्र.6. हिमालय के पूर्वी विस्तार के अंतर्गत भारत और म्यांमार की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर उत्तर से दक्षिण की ओर फैली पहाड़ियों (पटकाई बुम, नागा पहाड़ियों और मिज़ो पहाड़ियों) को सम्मिलित रूप से क्या कहा जाता है? (भूगोल)

उत्तर: पूर्वांचल पहाड़ियाँ (पूर्वी पर्वत श्रृंखला)

व्याख्या: ब्रह्मपुत्र नदी के दिहांग महाखड्ड (Gorge) को पार करने के बाद हिमालय पर्वतमाला दक्षिण की ओर एक तीव्र तीखा मोड़ (Hairpin Bend) लेती हुई भारत की पूर्वी सीमा के साथ फैल जाती है, जिसे 'पूर्वांचल' या 'पूर्वी पहाड़ियाँ' कहा जाता है। ये पहाड़ियाँ मुख्य रूप से बलुआ पत्थरों और अवसादी चट्टानों से निर्मित हैं तथा घने वनों से आच्छादित हैं। इनमें उत्तर में अरुणाचल प्रदेश की 'पटकाई बुम', नागालैंड की 'नागा पहाड़ियाँ' (सर्वोच्च शिखर: सारामती - 3,826 मीटर), मणिपुर पहाड़ियाँ और दक्षिण में मिज़ोरम की 'मिज़ो पहाड़ियाँ' (ब्लू माउंटेन/फावंगपुई) सम्मिलित हैं। यह क्षेत्र मानसूनी पवनों को रोककर पूर्वोत्तर भारत में भारी वर्षा कराता है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (प्राथमिक भाग-1) - Ch 2 "भारत का भौतिक स्वरूप" p. 11-

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य को प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखरेख (ECE) तथा 6 वर्ष से कम आयु के सभी बालकों के लिए पोषण व पूर्व-प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध कराने का निर्देश देता है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 45 (86वां संविधान संशोधन 2002)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-IV में राज्य की नीति के निदेशक तत्वों के अंतर्गत 'अनुच्छेद 45' को 86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था। संशोधन के बाद यह उपबंध करता है कि "राज्य सभी बालकों के लिए 6 वर्ष की आयु पूरी करने तक प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा (Early Childhood Care and Education - ECCE) देने के लिए प्रयास करेगा।" (उल्लेखनीय है कि 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए शिक्षा को अनुच्छेद 21A के तहत मौलिक अधिकार बना दिया गया था)। इसी संवैधानिक अधिदेश के अंतर्गत देश में समेकित बाल विकास सेवा (ICDS), आंगनवाड़ी केंद्र तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) का 'बालवाटिका' मॉडल संचालित किया जा रहा है।

संदर्भ: Constitution of India, Part IV, Article 45; NCERT Political Science Class 11 (भारत का

प्र.8. किसी प्रकाश किरण के सघन माध्यम से विरल माध्यम में जाने पर जब आपतन कोण का मान 'क्रांतिक कोण' (Critical Angle) से अधिक हो जाता है, तो किरण के पूरी तरह उसी सघन माध्यम में वापस लौट आने की परिघटना को क्या कहते हैं? (विज्ञान)

उत्तर: पूर्ण आंतरिक परावर्तन (Total Internal Reflection - TIR)

व्याख्या: पूर्ण आंतरिक परावर्तन (TIR) एक विशिष्ट प्रकाशिक परिघटना है जिसके घटित होने के लिए दो अनिवार्य शर्तें हैं: (1) प्रकाश किरण सदैव प्रकाशिक सघन माध्यम से विरल माध्यम की ओर जानी चाहिए; (2) सघन माध्यम में आपतन कोण (i) का मान उस माध्यम युग्म के 'क्रांतिक कोण' (C) से अधिक होना चाहिए ($i > C$)। जब आपतन कोण क्रांतिक कोण से बड़ा होता है, तो प्रकाश किरण का दूसरे माध्यम में अपवर्तन बिल्कुल नहीं होता, बल्कि संपूर्ण प्रकाश ऊर्जा उसी सघन माध्यम में परावर्तित हो जाती है। ऑप्टिकल फाइबर (Optical Fibre) द्वारा उच्च गति इंटरनेट डेटा संचरण, हीरे की अत्यधिक चमक, रेगिस्तान में मृगमरीचिका (Mirage) और एंडोस्कोपी तकनीक इसी सिद्धांत पर कार्य करते हैं।

एवं 215-218;

प्र.9. 7वीं शताब्दी में चालुक्य सम्राट विक्रमादित्य द्वितीय की महारानी लोक प्रिय महादेवी द्वारा कर्नाटक के बागलकोट जिले में कांचीपुरम के कैलाशनाथ मंदिर की प्रेरणा से निर्मित द्रविड़ शैली का भव्य मंदिर कौन-सा है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: पट्टडकल का विरुपाक्ष मंदिर (लोकेश्वर मंदिर)

व्याख्या: पट्टडकल का विरुपाक्ष मंदिर कर्नाटक के बागलकोट जिले में मालप्रभा नदी के तट पर स्थित चालुक्य स्थापत्य कला का सर्वश्रेष्ठ और भव्यतम स्मारक है। इसका निर्माण लगभग 740 ईस्वी में रानी लोकमहादेवी ने अपने पति राजा विक्रमादित्य द्वितीय द्वारा पल्लवों (कांचीपुरम) पर मिली ऐतिहासिक विजय की स्मृति में करवाया था। यह मंदिर द्रविड़ स्थापत्य शैली में निर्मित है, जिसमें विशाल विमान, नंदी मंडप, प्रदक्षिणा पथ और 18 स्तंभों वाला भव्य रंगमंडप है। इसकी बाहरी दीवारों और स्तंभों पर रामायण, महाभारत और पंचतंत्र की कथाएं अत्यंत सजीव रूप से उकेरी गई हैं। राष्ट्रकूटों ने इसी मंदिर से प्रेरणा लेकर एलोरा के प्रसिद्ध 'कैलाश मंदिर' की संरचना गढ़ी थी। 1987 में पट्टडकल को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला", p. 80-84;

प्र.10. 1912 में बिहार को बंगाल प्रेसीडेंसी से पृथक कर एक स्वतंत्र प्रांत बनाने के ऐतिहासिक आंदोलन में मुख्य बौद्धिक नेतृत्व प्रदान करने वाले 'आधुनिक बिहार के निर्माता' कौन थे? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा

व्याख्या: डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा (1871-1950) एक प्रख्यात विधिवेत्ता, सांसद, पत्रकार और आधुनिक बिहार के प्रमुख वास्तुकार थे। 19वीं शताब्दी के अंत में जब बिहार बंगाल प्रेसीडेंसी का एक उपेक्षित भाग था, तो डॉ. सिन्हा ने महेश नारायण, नंदकिशोर लाल और कृष्ण सहाय के साथ मिलकर 1894 में 'बिहार टाइम्स' (द बिहारी) समाचार पत्र शुरू किया और "बिहार बिहारियों के लिए" का सशक्त नारा दिया। उन्होंने ब्रिटिश संसद और वायसराय लॉर्ड हार्डिंग के समक्ष तथ्यपरक जापन प्रस्तुत किए, जिसके परिणामस्वरूप 12 दिसंबर 1911 को दिल्ली दरबार में बिहार एवं उड़ीसा को बंगाल से अलग करने की शाही घोषणा हुई और 1 अप्रैल 1912 को स्वतंत्र बिहार प्रांत अस्तित्व में आया। डॉ. सिन्हा 9 दिसंबर 1946 को भारतीय संविधान सभा के प्रथम (अस्थायी) अध्यक्ष भी बने थे।

संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle & Modern History;



प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: अक्टूबर W2 – दशहरा/छठ/मोहरम आदि पर्वों में भीड़ एवं भगदड़ संबंधी जोखिम एवं बचाव) के अनुसार दुर्घा पूजा मेलों या छठ घाटों पर अत्यधिक भीड़ के दबाव में अचानक भगदड़ (Stampede) की स्थिति बनने पर जीवन रक्षा हेतु 'मानव ढाल' (Chest Protection Stance) क्या है और यदि व्यक्ति जमीन पर गिर जाए तो कौन-सी मुद्रा अपनानी चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: दोनों हाथों को मुक्के बनाकर छाती के आगे रखना; घुटनों को मोड़कर भूज जैसी गेंद मुद्रा (Fetal Position) बनाना
व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (अक्टूबर W2: दशहरा/छठ/मोहरम आदि पर्वों में भीड़ एवं भगदड़ संबंधी जोखिम एवं बचाव की जानकारी) और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के क्राउड मैनेजमेंट प्रोटोकॉल के अनुसार: (1) अत्यधिक भीड़ में जब लोगों का रेला धक्का दे रहा हो, तो अपने दोनों हाथों की कोहनियों को मोड़कर मुक्कों को अपनी छाती (पसलियों) के ठीक आगे सटाकर रखें (बॉक्सिंग मुद्रा); यह मुद्रा छाती और फेफड़ों के चारों ओर 2 से 3 इंच का अनिवार्य सुरक्षा स्थान (Safety Breathing Space) बनाए रखती है, जिससे सांस घुटने (Compressive Asphyxia) से जीवन बचता है; (2) भीड़ के बहाव के विपरीत कभी न लड़ें, बल्कि भीड़ के साथ तिरछे (Diagonal) होकर किनारों की ओर खिसकें; (3) यदि पैर फिसलने से आप जमीन पर गिर जाएं, तो तुरंत पीठ के बल लेटने के बजाय एक करवट मुड़ जाएं, घुटनों को अपनी छाती से सटाएं और दोनों हाथों से सिर व गर्दन को सहजरी में दबकर 'गोला मुद्रा' (Ball Position) बना दें। दूसरी मुद्राएं आंग्रे (प्रसिद्ध) इटली और फ्रान्सियों पर घुटनों के पैरों के सहजरी में दबकर 'गोला मुद्रा' (Ball Position) बना दें। दूसरी मुद्राएं आंग्रे (प्रसिद्ध) इटली और फ्रान्सियों पर घुटनों के पैरों के सहजरी में दबकर 'गोला मुद्रा' (Ball Position) बना दें।



संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module October W2 – "दशहरा/छठ/मोहरम आदि पर्वों में भीड़ एवं भगदड़ संबंधी

प्र.12. एक समचतुर्भुज (Rhombus) का क्षेत्रफल 120 वर्ग सेमी है तथा उसके एक विकर्ण (Diagonal) की लंबाई 24 सेमी है। बताइए उस समचतुर्भुज के दूसरे विकर्ण की लंबाई कितने सेंटीमीटर होगी? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 10 सेंटीमीटर

व्याख्या: यह समचतुर्भुज के क्षेत्रफल के मूलभूत ज्यामितीय सूत्र पर आधारित एक मानक अंकगणितीय प्रश्न है। समचतुर्भुज के क्षेत्रफल का सूत्र: $\text{क्षेत्रफल} = \frac{1}{2} \times d_1 \times d_2$ (जहाँ d_1 और d_2 दोनों विकर्णों की लंबाईयों हैं)। यहाँ दिया गया है: $\text{क्षेत्रफल} = 120$ (वर्ग सेमी), पहला विकर्ण (d_1) = 24 सेमी। माना दूसरा विकर्ण = d_2 सेमी, सूत्र में मान प्रतिस्थापित करने पर: $120 = \frac{1}{2} \times 24 \times d_2$, $120 = 12 \times d_2$, पक्षांतरण करने पर: $d_2 = 120 / 12 = 10$ (सेमी)। अतः उस समचतुर्भुज के दूसरे विकर्ण की लंबाई ठीक 10 सेंटीमीटर होगी।

(जाँच: क्षेत्रफल = $\frac{1}{2} \times 24 \times 10 = 12 \times 10 = 120$ (वर्ग सेमी))।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 11 "क्षेत्रमिति" (Mensuration – Area of Rhombus), p. 170–173;

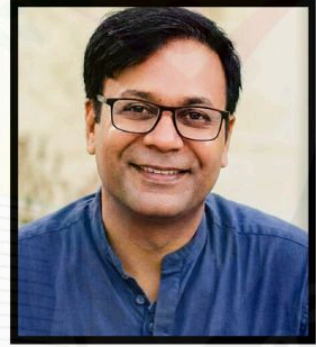
GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण ।



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Heterodox (हेटरोडॉक्स) = Unconventional (अनकन्वेंशनल) = परंपरागत मान्यताओं से अलग / अपरंपरागत

Antonym – Orthodox (ऑर्थोडॉक्स) = परंपरागत / रूढ़िवादी

2. Ineffable (इनेफेबल) = Indescribable (इन्डिस्क्राइबेबल) = जिसे शब्दों में व्यक्त न किया जा सके

Antonym – Expressible (एक्सप्रेसिबल) = जिसे व्यक्त किया जा सके

3. Lethal (लीथल) = Deadly (डेडली) = जानलेवा / प्राणघातक

Antonym – Harmless (हार्मलेस) = अहानिकर / नुकसान न पहुँचाने वाला

4. Munificent (म्यूनिफिसेंट) = Generous (जेनरस) = अत्यंत उदार / खुले हाथों से देने वाला

Antonym – Stingy (स्टिन्जी) = कंजूस / कृपण

5. Nonchalant (नॉनशालॉन्ट) = Unconcerned (अनकन्सर्न्ड) = बेपरवाह / चिंतामुक्त

Antonym – Concerned (कन्सर्न्ड) = चिंतित / परवाह करने वाला



~: संकलन ~:

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2, प. चम्पारण ।



"आज का अखबार"

NATIONAL NEWS



GST Council recommends major compliance reforms: removes tax officers' arrest powers and raises prosecution threshold to ₹5 crore

हिन्दी अनुवाद: GST परिषद ने अनुपालन में बड़े सुधारों की सिफारिश की: कर अधिकारियों की गिरफ्तारी की शक्ति हटाई और अभियोजन की सीमा 1 करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये की।

9 अक्टूबर को हुई GST परिषद की 57वीं बैठक में GST व्यवस्था के तहत गिरफ्तारी की शक्तियाँ हटाने और अभियोजन की सीमा 1 करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये करने की सिफारिश की गई। परिषद ने सामान्य जुर्माना भी 25,000 से घटाकर 10,000 रुपये करने और पंजीकरण, इनपुट टैक्स क्रेडिट तथा रिफंड प्रक्रिया आसान करने की सिफारिश की। ये बदलाव दरों में बदलाव नहीं, बल्कि अनुपालन प्रक्रिया पर केंद्रित हैं; प्रस्तावित कार्यान्वयन तिथि 1 अप्रैल 2027 है। UPSC/BPSC के लिए: GST Council — वस्तु एवं सेवा कर परिषद; CGST Act, 2017 — केंद्रीय GST अधिनियम; ITC — इनपुट टैक्स क्रेडिट।

India-Switzerland sign five agreements on mobility, transport, research and technology cooperation

हिन्दी अनुवाद: भारत और स्विट्जरलैंड ने आवागमन, परिवहन, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी सहयोग पर पाँच समझौते किए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्विस् राष्ट्रपति गाय पारमेलन की मुलाकात के दौरान पाँच समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इनमें प्रवासन और आवागमन, युवा पेशेवरों, परिवहन, अनुसंधान तथा नवाचार और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से जुड़े क्षेत्र शामिल हैं। UPSC/BPSC के लिए: द्विपक्षीय समझौते — दो देशों के बीच सहयोग; technology transfer — प्रौद्योगिकी हस्तांतरण।

Indian Air Force Day marks 94 years since the IAF was established in 1932

हिन्दी अनुवाद: भारतीय वायु सेना दिवस पर 1932 में IAF की स्थापना के 94 वर्ष पूरे हुए।

भारतीय वायु सेना दिवस 8 अक्टूबर को मनाया गया। वायु सेना की स्थापना 1932 में हुई थी। सरकार ने एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को अगला वायु सेना प्रमुख नियुक्त किया है; वे 31 अक्टूबर को पदभार ग्रहण करेंगे। UPSC/BPSC के लिए: IAF — भारतीय वायु सेना; Chief of the Air Staff — वायु सेना प्रमुख।

INTERNATIONAL NEWS

Navi Pillay wins 2026 Nobel Peace Prize for promoting peace and international law

हिन्दी अनुवाद: नवी पिल्लै को शांति और अंतरराष्ट्रीय कानून को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार मिला।

नॉर्वे की नोबेल समिति ने दक्षिण अफ्रीकी न्यायविद और संयुक्त राष्ट्र की पूर्व मानवाधिकार उच्चायुक्त नवनेथम "नवी" पिल्लै को 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार देने की घोषणा की। समिति ने उन्हें शांति और अंतरराष्ट्रीय कानून को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए सम्मानित किया। उनका जन्म दक्षिण अफ्रीका के डरबन में हुआ था। UPSC/BPSC के लिए: Nobel Peace Prize — नोबेल शांति पुरस्कार; UN High Commissioner for Human Rights — संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त।

2026 Nobel Prizes announced so far: Medicine, Physics, Chemistry, Literature and Peace laureates named

हिन्दी अनुवाद: 2026 के अब तक घोषित नोबेल पुरस्कार: चिकित्सा, भौतिकी, रसायन, साहित्य और शांति के पुरस्कार विजेताओं के नाम घोषित।

नोबेल सप्ताह में 9 अक्टूबर तक पाँच श्रेणियों के पुरस्कार घोषित हुए: चिकित्सा में कार्ल डाइसेरोथ, पीटर हेगेमन और जॉर्ज नागेल; भौतिकी में फ्रांसिस हेल्ज़न; रसायन में हेनरी बी. कागन और केन्सो सोई; साहित्य में ऐन कार्सन; और शांति में नवी पिल्लै। आर्थिक विज्ञान का पुरस्कार 12 अक्टूबर को घोषित होना निर्धारित है। UPSC/BPSC के लिए: नोबेल पुरस्कार — अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत पर आधारित; आर्थिक विज्ञान का पुरस्कार — स्वेरिगेस रिक्सबैंक पुरस्कार।

US and Iran continue indirect diplomacy over Hormuz and nuclear issues; Qatar says mediation is ongoing

हिन्दी अनुवाद: होर्मुज़ और परमाणु मुद्दों पर अमेरिका-ईरान की अप्रत्यक्ष कूटनीति जारी; कतर ने मध्यस्थता जारी रहने की बात कही। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा कि कूटनीतिक प्रक्रिया जारी है और होर्मुज़ जलडमरूमध्य को फिर से खोलने पर चर्चा हो रही है। कतर ने भी दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता जारी रहने की पुष्टि की। हालांकि, प्रस्ताव के क्रम और शर्तों पर मतभेद बने हुए हैं।

UPSC/BPSC के लिए: Strait of Hormuz — होर्मुज़ जलडमरूमध्य; indirect diplomacy — अप्रत्यक्ष कूटनीति; Qatar — कतर।

BIHAR NEWS

Bihar flood risk rises again: Ganga above danger mark in Patna; 10 districts placed under alert

हिन्दी अनुवाद: बिहार में बाढ़ का खतरा फिर बढ़ा: पटना में गंगा खतरे के निशान से ऊपर; 10 जिलों में सतर्कता।

DD News के अनुसार फरक्का बैराज के सभी 108 गेट खोले गए हैं। पटना में मंगलवार शाम गंगा का स्तर खतरे के निशान से 20 सेमी ऊपर था। जल संसाधन विभाग ने संवेदनशील तटबंधों की चौबीसों घंटे निगरानी के लिए 600 कर्मियों और 45 से अधिक इंजीनियरों को तैनात किया। बक्सर, भोजपुर, पटना, वैशाली, समस्तीपुर, मुंगेर, बेगूसराय, कटिहार, भागलपुर और खगड़िया में बाढ़ का खतरा बताया गया। UPSC/BPSC के लिए: Farakka Barrage – फरक्का बैराज; CWC – केंद्रीय जल आयोग; embankment monitoring – तटबंध निगरानी।

Bihar prepares DBT relief for flood-hit families; community kitchens and rescue boats remain in operation

हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए DBT राहत की तैयारी में; सामुदायिक रसोई और बचाव नौकाएँ सक्रिय।

राज्य प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित परिवारों को अनुग्रह सहायता सीधे बैंक खातों में भेजने की तैयारी की है। उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार प्रभावित इलाकों में राहत शिविर, सामुदायिक रसोई और नावें संचालित हैं; अधिकारियों को चौबीसों घंटे निगरानी और समय पर सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। UPSC/BPSC के लिए: DBT – प्रत्यक्ष लाभ अंतरण; Gratuitous Relief – अनुग्रह सहायता; SDRF – राज्य आपदा मोचन बल।

SPORTS NEWS

India wraps up Asian Games 2026 with 85 medals, finishing fourth overall

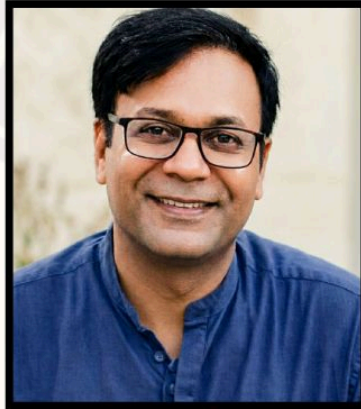
हिन्दी अनुवाद: भारत ने एशियाई खेल 2026 में कुल 85 पदक जीतकर समापन किया और समग्र पदक तालिका में चौथा स्थान पाया।

भारत ने 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक जीते। यह एशियाई खेलों में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। पुरुष हॉकी, महिला क्रिकेट और कबड्डी सहित कई स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक मिले। UPSC/BPSC के लिए: Asian Games – एशियाई खेल; OCA – एशियाई ओलंपिक परिषद।

Indian Air Force Day features aerial displays and tributes to air warriors

हिन्दी अनुवाद: भारतीय वायु सेना दिवस पर हवाई प्रदर्शन हुए और वायु योद्धाओं को श्रद्धांजलि दी गई।

8 अक्टूबर को वायु सेना दिवस के अवसर पर देशभर में कार्यक्रमों के माध्यम से IAF के इतिहास, सेवा और क्षमता को रेखांकित किया गया। इस दिवस की तिथि 1932 में भारतीय वायु सेना की स्थापना से जुड़ी है। UPSC/BPSC के लिए: IAF – भारतीय वायु सेना; Air power – वायु शक्ति।



संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

आज का विचार:

शांति काम छोड़ने में नहीं, बल्कि काम करते हुए उसके मानसिक बोझ और अहंकार को छोड़ने में है। जब आप परिणाम की व्यर्थ चिंता से मुक्त होकर कार्य करते हैं, तो घोर व्यस्तता के बीच भी आपका मन ध्यानस्थ रहता है।

प्रेरक बाल एकांकी सुरक्षित पर्व, खुशियों भरा पर्व (सुरक्षित शनिवार विशेष)



पात्र: शिक्षक, अंश, सुमन, रोहित और नेहा

(दृश्य: विद्यालय का प्रांगण। शिक्षक बच्चों को सुरक्षित शनिवार के अंतर्गत पर्वों में भीड़ से बचाव के बारे में बता रहे हैं।)

शिक्षक: बच्चों, दशहरा, छठ और मुहर्रम जैसे अवसरों पर लोग बड़ी संख्या में जुटते हैं। ऐसे में थोड़ी-सी लापरवाही भी भगदड़ का कारण बन सकती है। बताओ, भीड़ में सबसे बड़ा खतरा क्या है?

अंश: सर, धक्का-मुक्की होने पर लोग गिर सकते हैं और उनके ऊपर दूसरे लोग गिर सकते हैं।

शिक्षक: बिल्कुल सही। सुमन, अगर किसी मेले या घाट पर बहुत भीड़ हो, तो हमें क्या करना चाहिए?

सुमन: हमें परिवार के साथ रहना चाहिए, निर्धारित रास्तों से चलना चाहिए और धक्का नहीं देना चाहिए।

रोहित: सर, अगर अचानक भगदड़ शुरू हो जाए तो क्या करें?

शिक्षक: घबराकर भागने या उल्टी दिशा में दौड़ने से बचो। भीड़ के प्रवाह के साथ संतुलन बनाए रखो, हाथों को छाती के सामने रखकर साँस लेने की जगह बचाओ और मौका मिलते ही किनारे की ओर सुरक्षित स्थान पर पहुँचो। गिर जाओ तो सिर को बचाकर जल्दी उठने की कोशिश करो। उठना संभव न हो, तो सिर और गर्दन को हाथों से ढककर शरीर को सुरक्षित रखने का प्रयास करो।

नेहा: सर, बच्चों और बुजुर्गों को भीड़ में ले जाते समय क्या सावधानी रखें?

शिक्षक: भीड़ का अनुमान पहले लगाओ, छोटे बच्चों का हाथ पकड़कर रखो, बुजुर्गों की सहायता करो और पुलिस या स्वयंसेवकों के निर्देश मानो। बिजली के तार, बंद रास्ते, संकरे प्रवेश द्वार और अफवाहों से विशेष सावधान रहो। आपात स्थिति में पुलिस या आपातकालीन सेवा 112 की सहायता लो।

अंश: अब समझ आया, पर्व की खुशी तभी पूरी है, जब सभी सुरक्षित घर लौटें।

सभी बच्चे एक साथ: हम न धक्का देंगे, न अफवाह फैलाएँगे। नियमों का पालन करेंगे और दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखेंगे!

शिक्षक: यही है सुरक्षित शनिवार का संदेश—सावधानी अपनाएँ, जिम्मेदारी निभाएँ और पर्व को खुशियों का अवसर बनाएँ।

संदेश: उत्सव में उत्साह रखें, लेकिन सुरक्षा और संयम कभी न भूलें।



.....
मनोज कुमार

प्रधानाध्यापक

रा.म.वि.वाल्मीकिनगर

बगहा 2, प. चम्पारण। 9





आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-16

सोचो... समझो... हल करो...

2					4			3
6	4				7	5		
		1						
				4				7
						2	9	
4			6		1			
	3			9		4		1
		8			6			
1							2	

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक 3x3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।

आज का विचार

“जो व्यक्ति निरंतर प्रयास करता है, उसके लिए असंभव कुछ भी नहीं।”

— चाणक्य

याद रखें

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

2	8	5	9	6	4	1	7	3
6	4	9	1	3	7	5	8	2
3	7	1	5	2	8	9	4	6
8	5	3	2	4	9	6	1	7
7	1	6	3	8	5	2	9	4
4	9	2	6	7	1	3	5	8
5	3	7	8	9	2	4	6	1
9	2	8	4	1	9	7	3	5
1	6	4	7	5	3	8	2	9

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 4, श्लोक 18
कर्मण्यकर्म यः पश्येदकर्मणि च कर्म यः।
स बुद्धिमान्मनुष्येषु स युक्तः कृत्स्नकर्मकृत्॥

सरल हिन्दी अर्थ:

जो मनुष्य कर्म में अकर्म (कर्म करते हुए भी फल की आसक्ति और अहंकार से रहित होने के कारण निष्क्रियता) देखता है, और जो अकर्म में कर्म (बाहर से शांत या निष्क्रिय बैठे रहने पर भी मन के भीतर चल रहे संकल्प-विकल्प रूपी कर्म) को देखता है—वही मनुष्यों में बुद्धिमान है, वही सच्चा योगी है और वही समस्त कर्मों को भली-भाँति करने वाला है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

श्रीकृष्ण यहाँ कर्म के सबसे गहरे मनोविज्ञान को उजागर करते हैं। कोई क्रिया केवल हाथ-पैर हिलाने से तय नहीं होती, बल्कि मन की आंतरिक स्थिति से तय होती है:

- कर्म में अकर्म (Action in Inaction): दिन-रात पूरी लगन से अपना दायित्व निभाना, लेकिन भीतर से यह भाव रखना कि "यह कर्तव्य है, इसमें मेरा कोई अहंकार या स्वार्थ नहीं।" बाहर से घोर व्यस्तता दिखती है, लेकिन अंदर पूर्ण शांति होती है—यही 'कर्म में अकर्म' है।
- अकर्म में कर्म (Inaction in Action): बाहर से कोई काम न करना, कुर्सी पर शांत बैठ जाना या ज़िम्मेदारियों से मुँह मोड़ लेना; परंतु मन में लगातार चिंता, ईर्ष्या, योजनाएँ या तनाव पालते रहना। शरीर निष्क्रिय है, पर मन कर्म का भारी बोझ ढो रहा है।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏



मंडे पॉजिटिव

सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकान्त मिश्र/बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रगाढ़ शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चंपारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पौडोसफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिक्षकों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चंपारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोटसर के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संस्कृत शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चंपारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह रौलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यवसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकलकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियाँ, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम छात्र पर पड़ेगा जब तक पत्रिका है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

एकदमूख शांति
बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक ज्ञानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरू हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैली है। इसका उद्देश्य है कि प्रत्येक बच्चे को नवी ज्ञानकारी मिलती है। हम

याद कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवस्थित प्राथमिक विद्यालय आसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के बच्चों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोटसर

■ वेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
■ गर्मियों की छुट्टी के दौरान शुरू हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि अखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाय तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफ़ी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की

01
सौ आठ अंक का से
बुका प्रकाशन



श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिमॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया।

आज हजारों के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिक का उत्सर्जन कहा से होता है, तबो का वर्गीकरण किसने किया। श्वेत परिपत्र में रबीय का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, धौंरणी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेररक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर, 08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूर जगन्नाथ। बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊँचाई देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सहायक शैक्षिक पालक सम्मने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के समुदायिक संकल्प और समर्पण से यह पालक हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चंपारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों को प्रबंधन सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

■ यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
■ शिक्षकों के समुदायिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, सामुदायिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकें तक सीमित न रहकर जवाबदारी और जीवनवैशेष्य बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व ने आकार ले रही इस पालक का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोटसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों को एक टीम हिन्दू कुमार, सौर कुमार,



प्रखंड संसदन केंद्र बगहा दो - जगन्नाथ

राय, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही हैं। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यालयों के स्तर के अनुसार सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

संस्कृतिक मॉडल से साक्षीगण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'संस्कृतिक मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यालयों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तिगत विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है। शिक्षक संकलन पर विशेष और पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियाँ, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जगन्नाथ: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जगन्नाथ पत्रिका जोर रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पालक यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सराका



"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

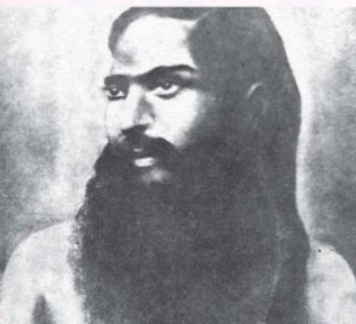
महायोद्धा: 'मन्यम वीरुडु' अल्लूरी सीताराम राजू

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी घने जंगलों में रहने वाले ऐसे शूरवीर की कहानी सुनी है, जिसके हाथ में पारंपरिक तीर-कमान था और जिसने अपनी चतुराई से अंग्रेज़ सेना की आधुनिक बंदूकों को झुका दिया था? आज हम आंध्र प्रदेश के घने पर्वतों और जंगलों के एक ऐसे ही अमर नायक की दास्तान सुनेंगे, जिन्हें स्थानीय लोग श्रद्धा और गर्व से 'मन्यम वीरुडु' यानी 'जंगल का नायक' कहकर पुकारते हैं। वे थे अमर क्रांतिकारी अल्लूरी सीताराम राजू! अल्लूरी जी का जन्म 4 जुलाई 1897 को आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम ज़िले (वर्तमान अल्लूरी सीताराम राजू ज़िला) के पांडुरंगी गाँव के एक क्षत्रिय परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री वेंकट राम राजू था, जो एक जाने-माने फोटोग्राफर और स्वाभिमानी व्यक्ति थे। उनकी माता का नाम श्रीमती सूर्यनारायणम्मा था, जो अत्यंत स्नेहमयी और धर्मपरायण महिला थीं।

नन्हे राम बचपन से ही बहुत कुशाग्र बुद्धि, साहसी और संवेदनशील बालक थे। जब वे मात्र आठ वर्ष के थे, तभी उनके पिता का अचानक देहांत हो गया। इसके बाद उनके चाचा श्री राम कृष्ण राजू ने उनका पालन-पोषण किया। बचपन में एक बार उनके पिता ने उन्हें अंग्रेज़ अफसरों के अत्याचारों के बारे में बताया था, जिसने नन्हे राम के दिल में गहरी छाप छोड़ी। उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ घुड़सवारी करने, धनुष-बाण चलाने और जड़ी-बूटियों की खोज करने का गज़ब का शौक था। अठारह वर्ष की उम्र में उन्होंने सांसारिक सुख त्याग दिए और सन्यासी बन गए। वे हिमालय, नासिक और गंगोत्री गए, जहाँ उन्होंने ध्यान और योग सीखा। जब वे विशाखापट्टनम और गोदावरी नदी के पास के 'मन्यम' (पहाड़ी-जंगल) क्षेत्र में लौटे, तो उन्होंने सन्यासी के वेश में आदिवासियों के बीच रहना शुरू किया। वे बीमार वनवासियों का जड़ी-बूटियों से मुफ्त इलाज करते और उन्हें आपस में एकता व नशे से दूर रहने की सीख देते थे।

उस समय अंग्रेज़ सरकार ने 'मद्रास वन अधिनियम 1882' लागू करके आदिवासियों की पारंपरिक खेती (पोड़ू खेती) और जंगल से फल-लकड़ी इकट्ठा करने पर सख्त रोक लगा दी थी। अंग्रेज़ ठेकेदार सीधे-सादे वनवासियों से बेगार (मुफ्त मजदूरी) करवाते थे। आदिवासियों पर होते जुल्म देखकर सीताराम राजू का खून खौल उठा। उन्होंने आदिवासियों को संगठित किया और वर्ष 1922 में अंग्रेज़ों के खिलाफ एक ऐतिहासिक महासंग्राम छेड़ा, जिसे 'रम्पा विद्रोह' कहा जाता है। उन्होंने पारंपरिक तीर-कमानों से लैस होकर अंग्रेज़ पुलिस थानों पर धावे बोले। उनकी बहादुरी का अंदाज़ इस बात से लगाया जा सकता है कि वे जब भी किसी अंग्रेज़ थाने पर हमला करते, तो पहले ही एक चिट्ठी भेजकर दिन और समय बता देते थे कि वे कब हथियार जब्त करने आ रहे हैं! थाने से केवल बंदूकें और कारतूस लेते, किसी भारतीय सिपाही को नुकसान नहीं पहुँचाते और डायरी में साइन करके चले जाते थे। अंग्रेज़ सरकार इस युवा सन्यासी के गुरिल्ला युद्ध से बुरी तरह घबरा गई और उन्हें पकड़ने के लिए असम राइफल्स की विशेष टुकड़ियाँ भेजीं।

जब अंग्रेज़ों ने सीताराम राजू को न पकड़ पाने की बौखलाहट में निर्दोष आदिवासियों के घरों को जलाना और गाँव वालों को प्रताड़ित करना शुरू किया, तो इस दयालु वीर से अपने लोगों का दुख देखा नहीं गया। अपने वनवासी भाइयों को अत्याचार से बचाने के लिए 6 मई 1924 को उन्होंने स्वयं को अंग्रेज़ों के हवाले कर दिया। अंग्रेज़ उनसे इतने खौफज़दा थे कि उन्होंने बिना किसी मुकदमे के, 7 मई 1924 को कोय्यूर के जंगल में एक पेड़ से बाँधकर उन्हें गोली मार दी। महज़ 26 वर्ष की उम्र में यह महानायक अमर हो गया। प्यारे बच्चों, अल्लूरी सीताराम राजू का पावन जीवन हमें सिखाता है कि निस्वार्थ भाव से कमज़ोरों की रक्षा करो, अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज़ बुलंद करो और मातृभूमि की सेवा में कभी अपने कदम पीछे मत खींचो।



शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2





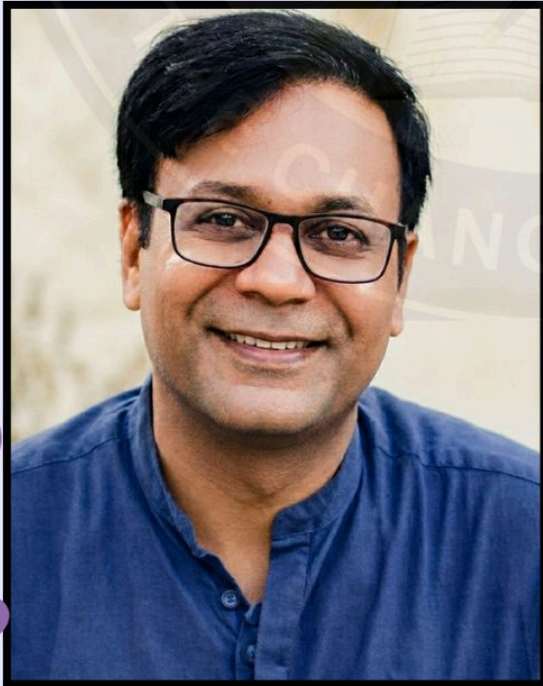
Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और
जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿 🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के
लिए।



संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)



-9939671700

आज का विचार:

शान्ति काम छोड़ने में नहीं, बल्कि काम करते हुए उसके मानसिक
बोझ और अहंकार को छोड़ने में है। जब आप परिणाम की व्यर्थ
चिन्ता से मुक्त होकर कार्य करते हैं, तो घोर व्यस्तता के बीच भी
आपका मन ध्यानस्थ रहता है।

+917250818080



teachersofbihar@gmail.com



+917250818080



www.teachersofbihar.org

